

18/11/24 पत्रावलि पेश हुई। प्रार्थना व
प्रार्थना के अभाव में उप नदी बाट
बाट आवे लगे हैं। बावजूद अवन
उपस्थित नदी। कतः पत्रावलि अत्र
पैली अत्र शरी शवाहिन की जाती

हुई


